एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनू (राजस्थान)

साँझा गैस रसोई योजना से मिला एक अनूठा रोजगार

मोरारका फाउण्डेशन का हमेशा से ही यह उद्देश्य रहा है कि रोजगार के कम प्रचारित अवसरों को सुगम बनाकर ग्रामीणों को मुहैया करवायें। साँझा रसोई योजना के द्वारा रोजगार भी इसी श्रंखला की एक अन्य कड़ी के रूप में लागु किया गया है। जिसमें महिलाओं को लकड़ी के श्रमसाध्य एवं मंहगे ईंधन से निजात दिलाने के साथ उससे रोजगार के अवसर पैदा करने के मकसद से मोरारका फाउण्डेशन ने शेखावाटी क्षेत्र में एक अभिनव पहल करते हुये न केवल गैस ईंधन के इस्तेमाल के प्रति पिछड़े हुये लोगों को जागरूक करने की पहल की है वरन् इसी के साथ रोजगार के अकल्पनीय अवसर भी सृजित किये हैं।

शेखावाटी क्षेत्र के झुन्झुनूं व सीकर जिले के विभिन्न गांवों में मोरारका फाउण्डेशन द्वारा साँझा गैस रसोई रोजगार योजना पिछले चार वर्षों से एक मिशाल के रूप के में चल रही है जो वर्तमान में हो रहे पारिवाकि विच्छेदों को कम करने व महिलाओं को रोजगार दिलाने में आवश्यक साबित हुआ है इसी के अन्तर्गत जोगियों के बास में भी गैस कनेक्शन वितरित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब व पिछड़े हुये लोगों को ना केवल गैस ईंधन उपलब्ध करवाना था वरन् इसके द्वारा फाउण्डेशन ने रोजगार का एक अनूठा जरिया भी चयनित परिवार को दिया, योजना के अनुसार पिछड़े व गरीब लोगों के 4 से 5 परिवारों के समूह को साँझा रसोई की सुविधा के प्रति जागरूक करके उन्हे एक मुफ्त गैस कनेक्शन मय संसाधनों के उपलब्ध करवाया गया तथा जिस परिवार की आय न्यूनतम स्तर पर है उसे साँझा रसोई केन्द्र का प्रभारी बनाया गया बाकी परिवार केन्द्र पर आकर समूह में खाना आदि बनाते है व आपसी सहमति से एक तय राशि केन्द्र प्रभारी को देते हैं। इससे ना केवल 4 से 5 परिवारों को लकड़ी के ईंधन से छुटकारा मिला वरन् उन्हे गैस ईधन की सुविधा भी बिना किसी निवेश के कम दरों पर मिल गयी जिससे इसकी आर्थिक स्थिती में सुधार आया ओर धुएं से होने वाली विभिन्न प्रकार की बिमारियों से भी राहत मिली और साथ ही गरीब परिवार के लिये स्वयं चलित रोजगार भी उपलब्ध हो गया।

अन्नपूर्णा साँझा गैस रसोई की मुखिया श्रीमती सन्तरा देवी मोरारका फाउण्डेशन के प्रति आभार जताते हुये बताती है कि उसे समय की बचत, कम लागत, कम परेशानी, कम श्रम के साथ आय भी अर्जित होने लगी है जिसका उपयोग बच्चों को अच्छी शिक्षा व उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने में लगायेगी। श्रीमती सन्तरा देवी ने बताया कि इससे सब परिवारों में आपस में मेल–मिलाप व अपनापन भी बढ़ता है और मोरारका फाउण्डेशन द्वारा चलायी गई इस योजना द्वारा लोगो में पारिवारिक विघटन में रोक व परिवारों में एकजूटता को बढ़ावा व आपस में एकता की भावना को सन्देश मिलता है तथा इस योजना से जुड़ी अन्य महिलाओं को भी हर प्रकार से राहत मिली है साथ ही लकड़ी के ईंधन पर होने वाले खर्चे के आधे खर्च से ही गैस रसोइ का फायदा उठा रही है, इस प्रकार मेरे समय की बचत व रोजगार को देखते हुए इस योजना से अन्य महिलाऐं भी जुड़ने के लिए उत्साह प्रकट कर रही है।

सांझा रसोई की सही मायनों में स्थापना एक क्रान्तिकारी कदम है। सभी चयनित परिवारों का कहना था कि मोरारका फाउण्डेशन ने उन्हे ना केवल रोजगार बल्कि जीवन का एक लक्ष्य भी प्रदान किया है, रोजगार के साथ–साथ साँझा गैस रसोई की इस योजना के जरिये मोरारका फाउण्डेशन ने ग्रामीण महिलाओं को लकड़ी और चूल्हे तथा धुंआ से निजात दिलाते हुये, सामूहिक गैस कनेक्शन दिलवाने की अभिनव पहल की है, ताकि हरित ईधन की बचत हो, महिलाओ को अतिरिक्त श्रम ना करना पड़े तथा भोजन की गुणवत्ता में सुधार हो, समय की बचत हो और धुएं की घुटन भरी जिन्दगी से निजात मिले।

कार्यक्रम समन्यवयक
मोरारका फाउण्डेशन